kxaa: navama
naama:
idnaaMk:

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके प्रश्नों के उत्तर अत्यंत संक्षेप में लिखिए :

तुझे मिली हरियाली डाली,
मुझे नसीब कोठरी काली!
तेरा नभ-भर में संचार,
मेरा दस फुट का संसार!
तेरे गीत कहावे वाह,
रोना भी है मुझे गुनाह!
देख, विषमता तेरी-मेरी,
बजा रही जिस पर रणभेरी!
इस हुँकृति पर,
अपनी कृति से और कहो क्या कर दूँ?
कोकिल बोलो तो!
मोहन के व्रत पर,
प्राणों का आसव किसमें भर दूँ ?
कोकिल बोलो तो

(1) कवि और कोयल को रहने के लिए क्या प्राप्त है ?
(2) कवि और कोयल के संसार में क्या अंतर है ?
(3) 'कोयल के गीत' और 'कवि का रोना' किस रूप में देखा जाता है ?
(4) कोयल की हुँकार पर कवि क्या करना चाहता है ?
(5) मोहन के व्रत पर पंक्ति से क्या तात्पर्य है ?